भारत सरकाररसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा** अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1122

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 16 अगस्‍त 2013/25 श्रावण, 1935 (शक) को दिया जाना है।

**बंद पड़े यूरिया संयंत्रों को फिर से चालू करना**

**1122. श्री राम कृपाल यादव:**

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री य‍ह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या यह सच है कि देश में सात यूरिया संयंत्रों में उत्‍पादन कार्य बंद पड़ा है;

(ख) क्‍या सरकार की इन यूरिया संयंत्रों को प्राकृतिक गैस/द्रवीकृत प्राकृतिक गैस से संचालित करते हुए इन्‍हें फिर से चालू करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो क्‍या इन सात इकाइयों में इस कार्य को पूरा करने और इन्‍हें पूर्णत: संचालित करने के लिए कोई समय-सीमा तय की गई है; और

(घ) प्रत्‍येक संयंत्र को दुबारा चालू करने के लिए अपेक्षित बजट का संयंत्र-वार ब्‍यौरा क्‍या है?

**उत्‍तर**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीकांत कुमार जेना)**

**(क) से (घ):** जी हां। वर्तमान में, फर्टिलाइजर्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पांच इकाइयां नामत: रामागुण्‍डम, सिंदरी, तलचर, गोरखपुर और कोरबा (परियोजना स्‍थल) तथा हिन्‍दुस्‍तान फर्टिलाइजर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तीन इकाइयां नामत: दुर्गापुर, हल्दिया और बरौनी बंद हैं। सरकार द्वारा इन यूरिया इकाइयों के फीटस्‍टॉक को प्राकृतिक गैस या कोयला फीडस्‍टॉक में परिवर्तित करके सार्वजनिक/निजी क्षेत्र द्वारा पुनरुद्धार करने की योजना है। अभी तक इसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। तथापि, सामान्‍यतया किसी यूरिया संयंत्र को इसकी शून्‍य तारीख से पूरी तरह प्रचालानात्‍मक बनाने के लिए लगभग तीन वर्ष का समय लगता है। प्रत्‍येक संयंत्र का अनुमानित व्‍यय स्‍थान, प्रौद्योगिकी, फीडस्‍टॉक आदि के आधार पर भिन्‍न-भिन्‍न होगा।

\*\*\*\*